जहांनारा

जयशंकर प्रसाद

प्रश्न-1 जहांनारा ने शाहजहां को औरंगज़ेब से बचाने के लिए क्या-क्या किया ?

उत्तर औरंगज़ेब से बचाने के लिए जहांनारा, शाहजहां को तख्त-ताऊस के कमरे में ले गई । औरंगज़ेब को रोकने के लिए अपने हाथ में परवाना लेकर खड़ी हो गई । उसने औरंगज़ेब को शाहजहां का हुक्म मानने की हिदायत दी। अपने पिता की सेवा करते हुए तपस्विनी का जीवन बिताया।

प्रश्न-2 लोग जहांनारा को मूर्तिमती करुणा क्यों मानने लगे ?

उत्तर जहांनारा के हृदय में दीन-दुखियों के प्रति अत्यंत करुणा और सहानुभूति थी उसने अपना सब कुछ गरीबों में बांट दिया। वह हमेशा सबकी सहायता करने के लिए तैयार रहती थीं। उसकी इस भावना के कारण ही लोग उसे मूर्तिमती करुणा मानने लगे ।

प्रश्न-3 शाहजहां की मृत्यु के बाद जहांनारा का जीवन कैसे बीता ?

उत्तर शाहजहां की मृत्यु के बाद जहांनारा उदास रहने लगी ।उसे महल में घूमना अच्छा नहीं लगता था । अकेलेपन के कारण ही वह बीमार रहने लगी । पर, उसने दवाइयां नहीं ली। धीरे-धीरे उसकी बीमारी बहुत बढ़ती गई और दुर्बलता की वजह से एक दिन उसकी मृत्यु हो गई ।

प्रश्न-4 क्या औरंगज़ेब अपने पिता और बहन से प्यार करता था ? कहानी के आधार पर लिखिए-

उत्तर नहीं**,** औरंगज़ेब अपने पिता और बहन से प्यार नहीं करता था । क्योंकि अगर वह उनसे प्यार करता तो उन्हें कभी अकेला नहीं छोड़ता, उन्हें दुख- दर्द नहीं देता और हमेशा उनका खयाल रखता । औरंगज़ेब सिर्फ़ अपने बारे में सोचने वाला एक स्वार्थी इनसान था ।

प्रश्न-2 पाठ के आधार पर जहांनारा का चरित्र चित्रण कीजिए ।

उत्तर जहांनारा में सेवा भावना कूट-कूट कर भरी थी। उसने अपने पिता की सेवा के लिए सारी सुख-सुविधाओं को त्याग कर तपस्विनी का जीवन बिताया। वह बहुत निडर और साहसी थी। दीन-दुखियों के प्रति उसके मन में बहुत दया और सहानुभूति थी ।

****